

असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (fi)

प्रापिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

Ho 411]

नई दिल्लो, शुक्रवार, सितम्बर 4, 1981/माद्र 13, 1903

No. 4111

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 4, 1981/BHADRA 13, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रका जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

उद्योग मंत्रालय

(मौद्योगिक विकास विवास)

आहेश

नई दिल्ली, 4 सिनम्बर, 1941

का [बा • 6 & 6 (का) - भारत सरकार के उसोग मलाभय के आदेस का ॰ भा ॰ मल्] 548 (अ) | 18% | आहे की बार ग | 78 लागिख 7 सितम्बर, 1978 (जिस बसमें इसके पण्जाल उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा भैससं अवोसो टायसं लिमिटेड, चालाकुढी, केरल का (जिसे इसमें इसके पण्यात् उक्त बौदोधिक उपक्रम कहा गया है) को बौद्योधिक (विकास धौर विनियमम) धिधिनयम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18% के स्वीम 7 सितम्बर, 1978 से तीन वर्ष की अवधि के मिए प्रवेष ब्रह्म किया गया वा,

क्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राथ है कि लाकहित में यह समीकीन हैं कि उस्त ब्रादेश घीर छह साम की ब्रविध के लिए प्रभावी बना रहे,

बन केन्द्रीय सरकार भीडोगिक (निकास भीर विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 ना 65) की सारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का भीर इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली भन्य सभी शक्तिया ना प्रयोग करते हुए यह निदंश देनी है कि उसर भादेश 7 सितम्बर, 1981 ने और छह मास की अवधि के लिए प्रधारी बना रहेगा

माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 1978 की सिविल प्रकाभ याचिका स० 1999, 2000 और 2100 और 1978 की सिविल रिड याचिका स० 955 पर 22 सितम्बर 1978 की दिए गए मावेल द्वारा नादेश सं० का० आ० 548(भ)/18क/भाई की झार ए/78 नारीच 7 सितम्बर, 1978 का प्रवर्णन राक विया गया था,

इसिलए यह ब्रादेश भी तब सक प्रवर्तित नहीं किया आएगा जब तक कि उच्च न्यायालय तारीख 22 मितम्बर, 1978 के ब्रापने धादेश को उपानरित नहीं करना है या रह नहीं कर देता है।

> सि॰फा॰ 2(31)/78-सी॰ यू॰एस०] सी॰ के॰ मोबी, संबुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 4th Sepambar, 1981

S.O. 686(E).—Whereas, by the Order of Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) S.O. No 548(E)/18A/IDRA/78 dated the 7th September, 1978 (hereinafter referred to as the said

684 G1/81

Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Apollo Tyres Limited, Chalakudi, Kerala (hereinafter referred to as the said Industrial Undertaking) was taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of three years from the 7th September, 1978;

And whereas the Central Government being of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period of six months;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of the section 18A of the Industries (Deve-

lopment and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) and all other powers enabling it in this behalf the Central Covernment bereby directs that the said Order shall cootinue to have effect for a further period of six months from 7th September, 1981.

Operation of the Order No. S.O. 548 (E) /18A/ JMS A/78 dated the 7th September, 1978 was stayed by the Hon Delhi High Court vide its Order dated 22nd September, 1978, in Civil Misc. Petition No. 1999, 2000 and 2100 of 1978 in Civil Writ Petition No. 955 of 1978. So this Order will also not be operated till High Court modifies or vacates its Order dated 22nd September, 1978.

[F. No. 2(31) /78-CUS] C. K. MODI. Jt Seey.